

जन्मतेही दम घुटना, संबंधी जानकारी

साँस में घुटन की परिभाषा

जिस शिशु में जन्मतेही निम्न में से कोई लक्षण हो, उसको साँस लेने में घुटन हो रही है :

- रोया नहीं हो
- धीमे से रोया हो
- साँस बिल्कुल नहीं ले रहा हो
- हाँफ रहा हो
- हल्की साँस ले रहा हो

यदि शिशु की साँस में घुटन है, तो प्रसव के पहले 5 मिनट आपात्स्थिति के हैं। इन्हीं 5 मि. के समय में जीवन बचाया जा सकता है, या फिर वह समाप्त भी हो सकता है।

साँस घुटने के परिणाम

तुरंत (जन्म के समय)

- मृत शिशुजन्म
- सुस्त
- स्तनपान नहीं कर पाता
- जन्म के कुछ दिनों में मृत्यु

दूरगामी परिणाम

यदि शिशु जीवित भी रहा तो उसे निम्न लक्षण हो सकते हैं

- मन्दबुद्धि
- मिर्गी रोग
- स्पास्टिक (चलने या हाथ-पाँव हिलाने में कठिनाई)

प्रसवपीड़ा के दौरान जन्मतेही साँस में घुटन की चेतावनी

1. प्रसवपीड़ा बहुत देर तक होना या उसमें कुछ कठिनाई होना।
2. बच्चेदानी की झिल्लि फटनेपर बहुत कम मात्रा में द्रव का निकलना (शुष्क प्रसव)।
3. हरे या पीले रंग का गाढ़ा द्रव योनि से बाहर निकलना।
4. गर्दन के चारों ओर नाल का कस कर लिपटा होना या नाल पहले बाहर निकलना।
5. समय से पूर्व प्रसवपीड़ा शुरू होना (8 माह 14 दिन के गर्भकाल से पूर्व)
6. 'ब्रीच' जन्म (सिर के अलावा शरीर का कोई अन्य भाग पहले निकलना)

हर प्रसव के दौरान दम घुटे शिशु के लिये तैयार रखें :

निम्न तैयार रखें:

- साफ कपड़े, तौलिये तथा शिशु के लिए कंबल।
- चूषण पंप
- बैग/ मास्क

प्रसव से पहले :

ध्यान रहे कि यह साफ और सूखे हों

ध्यान रहे कि यह ठीक-ठाक काम कर रहे हों